Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर कार्यशाला

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 28-03-2023**

हिंदी के विकास में तकनीक का योगदान महत्त्वपूर्ण

- हकेवि में वॉइस टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन
- सीबीएसई के पूर्व सहायक सचिव धरम सिंह विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

नीरज कौशिक

कार्यशाला को संबोधित करते विशेषज्ञ धर्म सिंह व हिंदी कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रो. बीर पाल सिंह यादव। आज समाज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा श्री धरम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विषय बेहद उपयोगी है और अवश्य ही इसका लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास जारी है। जिसमें यह कार्यशाला महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित सभी सदस्यों विशेषकर अधिष्ठाता शिक्षा पीठ प्रो. सारिका शर्मा व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का भी स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता श्री धरम सिंह ने अपने संबोधन में वॉइस टाइपिंग हेतु उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन विकल्पों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से हिंदी टाइपिंग न जानते हुए भी आप हिंदी में कार्यालयीन कार्य सहजता के साथ कर सकते हैं। उन्होंने गूगल डॉक्स, गूगल ट्रांसलेटर जैसे कम्प्यूटर में उपलब्ध वॉइस टाइपिंग के विकल्पों से अवगत कराया और उनका अभ्यास भी प्रतिभागियों को कराया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम के दौरान हस्त लेखन का भी अभ्यास प्रतिभागियों ने किया। कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय भी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

आयोजन में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India **Date: 28-03-2023**

हिंदी के विकास में तकनीक का योगदान महत्त्वपूर्ण

सीबीएसई के पूर्व सहायक सचिव धरम सिंह विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा धरम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विषय बेहद उपयोगी है और अवश्य ही इसका लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास जारी है। जिसमें यह कार्यशाला महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित सभी सदस्यों विशेषकर अधिष्ठाता शिक्षा पीठ प्रो. सारिका शर्मा व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का भी स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता श्री धरम सिंह ने अपने संबोधन में वॉइस टाइपिंग हेतु उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन विकल्पों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से हिंदी टाइपिंग न जानते हुए भी आप हिंदी में कार्यालयीन कार्य सहजता के साथ कर सकते हैं। उन्होंने गूगल डॉक्स, गूगल ट्रांसलेटर जैसे कम्प्यूटर में उपलब्ध वॉइस टाइपिंग के विकल्पों से अवगत कराया और उनका अभ्यास भी प्रतिभागियों को कराया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम के दौरान हस्त लेखन का भी अभ्यास प्रतिभागियों ने किया। कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय भी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। आयोजन में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 28-03-2023**

हिंदी के विकास में तकनीक महत्वपूर्ण

■ हकेंवि में वॉइस टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा धर्म सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास जारी है। जिसमें यह कार्यशाला महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 28-03-2023**

हिंदी के विकास में तकनीक का योगदान महत्वपूर्ण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को वायस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा धरम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष

प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला का लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विषय बेहद उपयोगी है और अवश्य ही इसका लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास जारी है। यह कार्यशाला महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित सभी सदस्यों विशेषकर अधिष्ठाता शिक्षा पीठ प्रो. सारिका शर्मा व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का भी स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता धरम सिंह ने अपने संबोधन में वायस टाइपिंग के लिए उपलब्ध विभिन्न आनलाइन विकल्पों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से हिंदी टाइपिंग न जानते हुए भी आप हिंदी में कार्यालयीन कार्य सहजता के साथ कर सकते हैं। उन्होंने गूगल डाक्स, गूगल ट्रांसलेटर जैसे कंप्यूटर में उपलब्ध वाइस टाइपिंग के विकल्पों से अवगत कराया और उनका अभ्यास भी प्रतिभागियों को कराया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम के दौरान हस्त लेखन का भी अभ्यास प्रतिभागियों ने किया। कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय भी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 28-03-2023**

हिंदी के विकास में तकनीक का योगदान महत्त्वपूर्ण

महेंद्रगढ़ | हकेवि में सोमवार को वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा धरम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विषय बेहद उपयोगी है और अवश्य ही इसका लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा।

विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास जारी है। विशेषज्ञ वक्ता श्री धरम सिंह ने अपने संबोधन में वॉइस टाइपिंग हेतु उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन विकल्पों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से हिंदी टाइपिंग न जानते हुए भी आप हिंदी में कार्यालयीन कार्य सहजता के साथ कर सकते हैं। कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय भी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

आयोजन में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।